भजन

तर्ज–तेरी दुनिया से दूर

बैठे हक के हजूर फिर भी कहते हम हैं दूर
कैसा हाल है कया–2

1– कहने को जुदाई ना रूहें यहां आई,
तेरे पास हैं पिया
चरनों में बिठाया और खेल भी दिखाया,
पर्दा ऐसा क्यूं किया
पर्दा ऐसा क्यूं किया,ये बताओ ओ पिया
कहें रूहें बार बार,करें तुमसे पुकार

2– ना छूटा साथ अपना,अर्श हो या सपना
रहे साथ में पिया
लाये हैं अपनी न्यामत,करी है ये इनायत
सुख घर का है दिया
सुख घर का है दिया,रहे साथ में पिया
हमने मानी अपनी हार दे दो धाम का वो प्यार

3– ये अर्जी है हमारी जगा लो रूहें सारी
ढील काहे की पिया
देखी तेरी जुदाई नहीं है हमें भाई
यहां लागे न जिया
ढील काहे की पिया,यहां लागे न जिया
बस है इतना इन्तजार,होगा कब नूरी दीदार